



क्लिनिकल आउटरीच टीम (कौट)

सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर लोगों तक सेवाएं पहुंचाना

मैरी स्टोप्स इंटरनेशनल (एमएसआई) से संबंधित, फाउंडेशन फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ सर्विसेस इंडिया (एफआरएचएस इंडिया), सूदूर इलाकों में आधुनिक परिवार नियोजन सेवाएं उपलब्ध कराता है। अपने मिशन के तहत, एफआरएचएस इंडिया मोबाइल क्लिनिकल आउटरीच टीम (कौट) के माध्यम से प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की पहुँच बढ़ाने के लिए काम करता है।

कौट प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मचारियों से लैस टीम है जो सरकारी केंद्रों पर परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, सलाह और सेवाएं प्रदान करती है। एफआरएचएस इंडिया ने 2011 में राजस्थान के अलवर जिले से कौट की शुरुआत की थी और तब से अब तक यह बिहार, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के 70 से अधिक जिलों में सेवाएं प्रदान कर चुका है। वर्तमान में हम 39 कौट के माध्यम से 14 करोड़ (140 मिलियन) से भी अधिक लोगों की सेवा में लगे हैं।

पृष्ठभूमि

ग्रामीण भारत के कई हिस्सों में, परिवार नियोजन की अनमेट नीड बहुत अधिक है। महिलाओं और पुरुषों को गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएं नहीं मिलतीं, जिसकी वजह से अनचाहा गर्भ ठहर जाता है जो उन्हें और उनके परिवार को जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने से रोकता है। ऐसे अनचाहे गर्भ वाली कई महिलाएं अपने स्वास्थ्य और जीवन को खतरे में डालकर असुरक्षित गर्भपात का विकल्प चुन लेती हैं। संभव है कि प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र/सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी/सीएचसी) लोगों के लिए सुलभ हों लेकिन ये केंद्र कई कारणों जैसे – प्रशिक्षित कर्मियों की अनुपलब्धता, उपकरणों की कमी, दवाओं और आपूर्तियों की कमी आदि की वजह से सेवाएं प्रदान नहीं कर पाते। ऐसे सरकारी केंद्रों पर गुणवत्तापूर्ण परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान कर हमारे कौट महिलाओं की अनमेट नीड को पूरा करने का काम करते हैं।

कौट कैसे काम करते हैं ?

कौट को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) योजना के तहत जिला स्वास्थ्य अधिकारियों द्वारा स्वीकृति दी जाती है। जिला मुख्यालयों में स्थित, कौट जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के परामर्श से चुने गए सरकारी केंद्रों पर जाते हैं और निर्धारित दिनों पर उच्च गुणवत्ता वाली परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करते हैं। फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) पर निर्णय लेने के बाद इसकी सूचना केंद्र के कर्मचारी और सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मचारियों जैसे आशा और एएनएम को दी जाती है, फिर ये कर्मचारी ही इस सूचना को समुदायों में प्रसारित करते हैं और लोगों को सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करते हैं।

क्लिनिकल आउटरीच टीम के माध्यम से सर्विस डिलीवरी के नौ चरण

सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए हर क्लाइंट सेवा प्राप्त करने के समय नौ चरण की प्रक्रिया से गुजरता है। हर एक चरण को आसानी से समझाने के लिए काउंटर बनाए जाते हैं और उससे संबंधित संकेत लगाए जाते हैं। हर एक काउंटर पर, क्लाइंट को एफआरएचएस इंडिया का एक कर्मचारी मिलता है। काउंटर पर प्रक्रिया होने के बाद, क्लाइंट को अगले चरण में जाने की सलाह दी जाती है। इससे क्लाइंट आसानी से सेवा प्राप्त कर पाते हैं और स्वास्थ्य केंद्र में इधर-उधर भटकने से बचते हैं।

01 पंजीकरण

- इस काउंटर पर क्लाइंट का स्वागत होता है
- यहाँ ग्राहक का केस कार्ड बनता है

02 काउंसलिंग

- प्रशिक्षित काउंसलर द्वारा भिन्न परिवार नियोजन के विकल्पों पर जानकारी साझा की जाती है
- काउंसलर क्लाइंट की सुविधा और निजता सुनिश्चित करती हैं

03 लैब टेस्ट

- पहले से मौजूद सरकारी लैब या एफआरएचएस इंडिया द्वारा स्थापित लैब में जाँच होती है

04 पेल्विक (पीवी) जाँच

- क्लाइंट की निजता सुनिश्चित की जाती है
- योग्यता निर्धारित करने हेतु क्लाइंट की स्क्रीनिंग की जाती है

05 पूर्व-प्रक्रिया जाँच

- क्लाइंट के स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की जाती है

06 पूर्व-प्रक्रिया दवा

- क्लाइंट को प्रक्रिया से पहले दवा दी जाती है
- क्लाइंट को प्रक्रिया के लिए तैयार किया जाता है

07 प्रक्रिया

- प्रशिक्षित सर्जन द्वारा किया जाता है
- इन्फेक्शन प्रिवेंशन के सारे नियमों को बनाए रखा जाता है

08 ऑपरेशन के बाद की देखभाल

- महत्वपूर्ण पैरामीटर की निगरानी की जाती है
- चार घंटों तक पूर्ण निगरानी की जाती है

09 डिस्चार्ज/छुट्टी

- क्लाइंट के परिचारकों को सलाह दी जाती है
- देखभाल संबंधी निर्देश दिए जाते हैं
- सेवा प्रदान करने के 24-36 घंटों के भीतर टेलीफोन पर क्लाइंट के स्वास्थ्य की जानकारी ली जाती है

टीम की संरचना | आठ-सदस्यों वाले कौट में होते हैं:



सर्जन



चिकित्सा अधिकारी



दो नर्स



काउंसलर



ऑपरेशन थिएटर सहायक



ड्राइवर/चालक



फिक्स्ड डे सर्विस (एफडीएस) कोऑर्डिनेटर

कौट द्वारा दी जाने वाली सेवाएं

कौट परिवार नियोजन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवा संबंधी कई विकल्प देता है, जिसमें शामिल है:

- परिवार नियोजन सलाह एवं परामर्श
- आपातकालीन गर्भनिरोधक
- महिला नसबंदी-लैप्रोस्कोपिक या मिनी लैप
- गर्भनिरोधक गोलियां
- पुरुष नसबंदी (नॉन स्काल्पल वसेक्टॉमी)
- कंडोम
- कॉपर टी
- प्रसव के बाद का फॉलो-अप

हमारी पहुँच

39

टीम सेवा प्रदान कर रही हैं

70+

जिले कवर किए जा रहे हैं

590+

इलाके कवर किए जा रहे हैं

क्लाइंट को उपलब्ध कराई गई सेवाएं

जनवरी-दिसंबर 2019 के बीच हमने:



1,21,069

महिलाओं को नसबंदी सेवा प्रदान की



1,230

पुरुषों को नसबंदी सेवा प्रदान की



6,870

महिलाओं को कॉपर टी सेवा प्रदान की



16,12,931

कपल इयर्स ऑफ प्रोटेक्शन

सेवाओं की गुणवत्ता

क्लाइंट की सुविधा, सुरक्षा और संतुष्टि

क्लिनिकल गवर्नेंस

तकनीकी क्षमता

व्यावसायिक मानकों का पालन

01 भारत सरकार और मैरी स्टोप्स इंटरनेशनल क्लिनिकल मानकों के अनुसार सक्षम प्रदाताओं द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं

02 मैरी स्टोप्स इंटरनेशनल द्वारा वार्षिक गुणवत्ता तकनीकी मूल्यांकन किया जाता है

03 इन्फेक्शन प्रिवेंशन, इमरजेन्सी मैनेजमेंट और परामर्श जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नियमित रूप से रिफ्रेशर ट्रेनिंग और सहायक पर्यवेक्षण दिया जाता है

04 टेलीफोन के माध्यम से सेवा प्रदान करने के 24-36 घंटों के भीतर क्लाइंट के हाल की समीक्षा की जाती है और उनकी संतुष्टि का स्तर पता करने के लिए वार्षिक क्लाइंट एग्जिट सर्वे कराए जाते हैं

05 टीम के सभी सदस्यों का वार्षिक योग्यता आकलन होता है

06 राष्ट्रीय और राजकीय चिकित्सा सलाहकार टीमों, गुणवत्ता मानकों की समीक्षा करती हैं, ट्रेनिंग आयोजित करती हैं और हादसा प्रबंधन पर नज़र रखती हैं

अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करें: info@frhsi.org.in

मुख्यालय: बी-37, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली - 110049, फोन: +91 11 49840000, वेबसाइट: <http://www.frhsi.org.in/>

हमें फेसबुक पर फॉलो करें: [@FoundationforReproHealthServicesIndia](https://www.facebook.com/FoundationforReproHealthServicesIndia), [@PratigyaRights](https://www.facebook.com/PratigyaRights)